साहित्य–संगीत–कला को समर्पित

शब्दम

चरण 15 & 16

2018 - 2020

शब्द शक्ति की आराधना के लिए

'शब्दम्' ध्वनि, नाद और अर्थ तीनों का सम्मिलित रूप है। इसके व्यापक क्षेत्र के अन्तर्गत विविध साहित्य-संगीत-कला स्वत: ही आ जाते हैं। इसी तथ्य को ध्यान में रखकर माँ शारदा की कृपा से 17 नवम्बर 2004 को इस संस्था (शब्दम्) का गठन शिकोहाबाद (उ.प्र.) में हुआ।

उद्देश्य

1. हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं जैसे कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबन्ध आदि की उच्चस्तरीय रचनाओं और नव लेखन को बढ़ावा देना तथा उपलब्ध साहित्य को जन साधारण के सामने प्रस्तुत करना।

2. विविध भारतीय ललित कलाओं, संगीत एवम् साहित्य को प्रोत्साहित करना।

3. देश विदेश में राष्ट्र भाषा हिन्दी के गौरव के लिए प्रयास करना।

4. हिन्दी को शिक्षण और बोलचाल के क्षेत्र में लोकप्रिय बनाना।

5. हिन्दी को रोजी-रोटी प्राप्त करने की भाषा बनाना तथा सब तरह के कारोबार में इसके प्रयोग को बढ़ावा देना।

6. भारत की एकता के लिए हिन्दी की सेवा करना।

सम्पर्क:

शिकोहाबादः दीपक औहरी – 9759213018, मोहित जादोंन – 9358361489

शब्दम्, बजाज इलेक्ट्रिकल्स आवासीय परिसर, शिकोहाबाद – 283141

ई–मेलः shabdamhoskb@gmail.com, pmhoskb@gmail.com

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित

शब्दम्

शब्दम् न्यासी मंडल

अध्यक्ष

श्रीमती किरण बजाज

उपाध्यक्ष

प्रो. नन्दलाल पाठक
(पूर्व कार्याध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हिन्दी साहित्य अकादमी)

श्री उदय प्रताप सिंह
(पूर्व सांसद व कार्यकारी अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान)

श्री सोम ठाकुर

वरिष्ठ सदस्य

श्री शेखर बजाज

श्री मुकुल उपाध्याय

विशिष्ट सलाहकार

श्री मंज़र-उल वासै

डॉ. अजय कुमार आहूजा

डॉ. ध्रुवेंद्र भदौरिया

डॉ. महेश आलोक

डॉ. रजनी यादव

श्री अरविंद तिवारी

डॉ. चंद्रवीर जैन

विशिष्ट आमंत्रित सलाहकार

श्रीमती सुदीप्ता व्यास (न्यूज़ीलैण्ड)

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित

शब्दम्

अनुक्रम

अध्यक्षीय निवेदन............03

साहित्यिक कार्यक्रम

ग्रामीण कवि सम्मेलन............04

काव्य पाठ............05

'हिन्दी लघु पत्रिकाओं की वर्तमान स्थित' विषय पर चर्चा एवं 'व्यंजना' पत्रिका का विमोचन............07

'छाया का समुद्र' पुस्तक का लोकार्पण............09

'राम की शक्ति पूजा' परिचर्चा............09

शब्दम् 15 वाँ स्थापना दिवस समारोह 'समकालीन बाल कविता: नई चुनौतियाँ और संभावनाएँ............10

शब्दम् 16 वाँ स्थापना दिवस समारोह'............12

देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता............13

राष्ट्रप्रेम गीत/कविता गायन प्रतियोगिता............14

युवा काव्य सम्मेलन............16

गणेश वंदना एवं भजन गायन प्रतियोगिता............17

सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोक गीत गायन............18

'स्पिक मैके' एवं 'शब्दम्' कार्यक्रम............19

आंतरिक संगीत:रवीन्द्र संगीत पर आधारित कार्यक्रम............22

कबीर फेस्टीवल मुम्बई 2020............23

शिक्षक सम्मान समारोह............24

सांस्कृतिक कार्यक्रम

हिन्दी विद्यार्थियों एवं हिन्दी सेवियों का सम्मान............27

प्रश्नमंच............29

मेरा भारत स्वर्णिम भारत–युवा जागृति परिचर्चा............31

'युवाओं के प्रेरणा स्रोत राम'............32

नृसिंह अवतार की प्रासंगिकता............33

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : पूज्य इन्द्रेशजी का वीडियो संदेश............33

स्त्री सशक्तिकरण

ग्रीष्मकालीन शिविर............34

महिला दिवस............36

राखी मिलन समारोह............37

जानकीदेवी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र............38

27 वाँ जानकीदेवी बजाज पुरस्कार............39

मिशन साहसी............41

विविधा

श्री जमनालाल बजाज जयंती समारोह............42

कोविड 19–भारत विजय संकल्प............43

सम्मतियां/सम्मान समाचार............44

अध्यक्षीय निवेदन

वर्ष 2019 शब्दम् के लिए 'विद्यार्थी ऊर्जा' का वर्ष था। 2019 के प्रारम्भ में ही पाँच अलग–अलग विद्यालयों ने देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता से युवाओं में ऊर्जा संचार का क्रम प्रारम्भ किया।

क्षेत्र की सफलतम महिलाओं को बुलाकर सौ से अधिक ग्रामीण छात्राओं के मध्य 'विषम परिस्थितियों में सफलता के सूत्र' कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इसी क्रम में बाल साहित्यकार एवं 'नन्दन' (बाल पत्रिका) के पूर्व संपादक रहे प्रकाश मनु को शब्दम् स्थापना दिवस पर हिन्दी सेवी के रूप में सम्मानित किया गया।

हर वर्ष किये जाने वाले कार्यक्रम जैसे– ग्रामीण कवि सम्मेलन, शिक्षक दिवस, हिंदी सप्ताह, स्पिक मैके के साथ आयोजित होने वाले कार्यक्रम, विद्यार्थियों द्वारा काव्यपाठ, ग्रीष्मकालीन शिविर, सिलाई केन्द्र एवं प्रश्नमंच भी तय मानकों अनुसार आयोजित हुए।

अब हम बात करते हैं कोरोना वर्ष, 2020 की, आत्मचिंतन, ना रुकने का आत्मबल, 'तकनीक और ज्ञान के मिलन' को हम इस बहुत कुछ खोने वाले वर्ष की अर्जित आय के रूप में देख सकते हैं।

वर्ष 2020, मार्च माह से अभी तक 'शब्दम्' ने सभी कोविड नियमों का पालन करते हुए किसी भी मंचीय कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया पर हम रुके नहीं, तकनीक के माध्यम का प्रयोग करते हुए टीम लगातार कार्य करती रही।

लॉकडाउन के कारण शिकोहाबाद कार्यालय में रह रहे सभी पर्यावरण मित्र स्वयंसेवकों, संस्थान के सुरक्षाकर्मियों व कॉलोनी निवासियों के साथ 'योग संस्कृति शिविर' आयोजित किया गया।

यूट्यूब वीडियो के माध्यम से भागवत भास्कर श्रीकृष्ण चंद्र शास्त्री जी ने योग पर युवाओं को सन्देश दिया एवं कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्री इंद्रेश जी ने कृष्ण संस्कृति से जोड़ा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य ऑनलाइन भजन गायन कार्यक्रम किया गया। शब्दम् टीम ने इस वर्ष रक्षा बंधन पर पेड़ों को रक्षा सूत्र बाँध कर, उस प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया, जो इस मुश्किल दौर में हम सबके रक्षक बने।

हिंदी विषय में निर्धारित अंक लाने वाले छात्रों का ऑनलाइन प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया गया। शिक्षक दिवस पर बहुमुखी प्रतिभा के धनी चित्रकार सुरेंद्र राव को अनगिनत बच्चों को इस कला को सिखाने पर सम्मानित किया गया, इस दौरान उन लोगों के ई–जागरूकता कार्ड भी प्रदर्शित किये गए, जिन्होंने शिक्षण क्षेत्र की अलग–अलग गति–विधियों में अपना बहमूल्य योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न ई–जागरूकता कार्ड भी प्रदर्शित किये गए।

'शब्दम्' की हर गतिविधि में भौतिक रूप से सक्रिय रहकर दिशा देने वाले उमाशंकर शर्मा जी शब्दम् की वार्षिकी का नया अंक देखने के लिए हमारे बीच नहीं हैं,पर इस वार्षिकी के हर आलेख में उनकी आत्मा का स्पर्श हमें मिल रहा है। शब्दम् ने स्वर्गीय उमाशंकर शर्मा की स्मृतियों को सहेजकर रखने के प्रयास में 'प्रेरणा पुरुष' स्मृति अंक का प्रकाशन भी किया है। मैं शब्दम् की पूरी टीम की तरफ से स्वर्गीय उमाशंकर शर्मा जी को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

मैं सभी सलाहकार समिति, स्थानीय प्रिंट मीडिया, कार्यालयी टीम और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हमसे जुड़े लोगों का धन्यवाद करती हूँ और विद्यालय, महाविद्यालय, विद्यार्थियों और अध्यापकों को नमन करती हूँ।

हमें भारत के प्रत्येक क्षेत्र में शब्दम् और शब्दम् के उद्देश्यों को ले जाने की आवश्यकता है। अब हमारे पास सोशल मीडिया के रूप में सशक्त हथियार भी है। मेरा सभी पाठकों से निवेदन है कि यह कैसे सम्भव हो सकता है, या आपने कुछ प्रयास किए हैं वो भी बताएं, विशेषतौर पर अपने कोविड़ काल के अनुभव अवश्य साझा करें। मैं आपसे सुनने के लिए उत्सुक हूँ।

कृपया मुझे अपने सुझाव ई–मेल – ksb@bajajelectricals.com पर भेजें।

करण बजाज

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित
शब्दम्

साहित्यिक कार्यक्रम

ग्रामीण कवि सम्मेलन

● **कार्यक्रम :** ग्रामीण कवि सम्मेलन ● **दिनांक :** 23 जून 2019

● **अध्यक्षता :** श्री उदयप्रताप सिंह ● **आमंत्रित कविगण :** श्री विट्ठल पारीक (जयपुर, राजस्थान), श्री रवीन्द्र 'रवि' (ग्वालियर, म.प्र.) एवं शिवम् कुमार 'आजाद' (अलीगढ़, उ.प्र.) ● **स्थान :** सुंदरपुर, बिजौली, इटावा (उ.प्र.)

तुम्हारे वतन में लहू बह रहा है, हमारे लहू में वतन बह रहा है... शिवम् आज़ाद

गैल गिरारे ऊही पुराने, पहलें जैसी बात रही ना.... विट्ठल पारीक

'शब्दम्' ग्रामीण कवि सम्मेलन सुंदरपुर बिजौली इटावा (उ.प्र.) में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उ.प्र. हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष उदयप्रताप सिंह ने काव्यपाठ करते हुए कहा कि 'आजादी का सूरज चमका शहर के आकाश में, गाँव पड़े हैं अभी गुलामी के इतिहास में, फूल कली ने जहर खा लिया तंग होकर महंगाई से........'

कवि विट्ठल 'पारीक', रवीन्द्र 'रवि' एवं शिवम् कुमार 'आजाद' ने अपनी काव्य रचनाओं से ग्रामीणजनों को मंत्रमुग्ध किया। संचालन डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया ने किया।

ज्येष्ठ की दोपहरी में प्राकृतिक सौन्दर्य के बीच कविता का आनंद लेते श्रोतागण।

कवि शिवम 'विट्ठल पारीक'।

विट्ठल 'पारीक' : 10 अक्टूबर 1953 को भरतपुर राजस्थान में जन्मे हिन्दी साहित्य से परास्नातक उपाधि प्राप्त हैं। ब्रज भाषा में आपको विशेष दक्षता प्राप्त है। आप अखिल भारतीय साहित्य परिषद के साहित्य सचिव के अतिरिक्त अनेक साहित्यिक संस्थाओं के विविध पदों को सुशोभित कर चुके हैं। देश की अनेक साहित्यिक पत्र पत्रिकाओं में आपके आलेख एवं शोध प्रबन्ध प्रकाशित हो चुके हैं।

श्री शिवम् कुमार 'आज़ाद' : आप दूरदर्शन और आकाशवाणी के विभिन्न चैनलों और केन्द्रों से काव्यपाठ कर चुके हैं। आपको 'विमल ओज', 'विद्या सागर दद्दा स्मृति', 'ग़ज़लश्री', 'रसिक साहित्य', नोहर पत्रिका सम्मान राजस्थान आदि सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है।

श्री रवीन्द्र 'रवि' : ग्वालियर से पधारे कवि रवीन्द्र 'रवि' अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों में तो काव्यपाठ करते ही हैं, आप भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम डॉ. शंकर दयाल शर्मा के समक्ष राष्ट्रपति भवन में भी काव्य पाठ कर चुके हैं। आपकी कविताओं के प्रसारण जीटीवी, न्यूज नेशन और आकाशवाणी के विभिन्न केन्द्रों से होते रहते हैं।

काव्य पाठ

- **कार्यक्रम** : काव्य पाठ ● **दिनांक** : 27 अगस्त 2019
- **आमंत्रित कविगण** : आलोक 'अर्श', रवीन्द्र रंजन, एस.एस.यादव।
- **स्थान** : संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

हिन्द लैम्प्स परिसर शिकोहाबाद स्थित संस्कृति भवन में काव्य पाठ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में गीतकार रविन्द्र रंजन, कवि सुरेश सिंह यादव एवं ग़ज़लकार आलोक अर्श ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।

काव्य पाठ करते हुए कवि आलोक 'अर्श' ।

कातिलों की जेब में मुंसिफों के पते मिल रहे हैं...

कातिलों की जेब में मुंसिफों के पते मिल रहे

काव्य पाठ

सुरेश सिंह यादव

64 वर्षीय, अंग्रेजी साहित्य में परास्नातक, और विधिस्नातक, उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा से सेवानिवृत्त, सुरेश सिंह यादव, सदैव शहर के अंदेशे से दुबले रहे, आख़िर क़ाज़ी (न्यायाधीश/नगर मजिस्ट्रेट) जो ठहरे। वे समाज और देश की दशा और दिशा को कभी अनदेखा नहीं कर पाये । अनगिनत सम्मानों और पुरस्कारों से सुशोभित यादव, अनेक काव्य कृतियों के रचयिता के रूप में एक वास्तविक साहित्यकार के रूप में उभरे और कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

गीत

न ज्ञानपीठ के लिए
न किसी आंदोलन के लिए
न पूरब के विरोध के लिए
न पश्चिम के समर्थन के लिए
न शोहरत की तमन्ना के लिए
न सिले की जुस्तजू के लिए।
मैं लिखता हूं
कुछ सवालों के जवाब के लिए

आलोक भदौरिया 'अर्श'

ग़ज़ल लिखने और पढ़ने वाले अनगिनत होते हैं, लेकिन तगज़्जुल (गजलीयत) विरलों में होता है —— जो आलोक अर्श की ग़ज़लों के लिखने में और उससे भी ज्यादा पढ़ने में है गो कि वे तरन्नुम में नहीं, तहत में पढ़ते हैं। ग़ज़ल लेखन और पाठन के लिए बीसीयों सम्मान और पुरस्कार उनके हिस्से में आये हैं, दो राज्यपालों ने उन्हें सम्मानित किया है।

रवीन्द्र रंजन

साहित्य जगत में आपकी रचना–धर्मिता की पहचान उनके द्वारा रचित पोथियों की संख्या से नहीं वरन् ढाई आखर की गुणवत्ता से है। दशाधिक सम्मानों एवं पुरस्कारों से आप सुशोभित हो चुके हैं और यह क्रम अभी जारी है। रवीन्द्र रंजन अपने एक गीत से देश भर के मंचों पर छा जाते हैं—— मंदिर में मदिरा पुजारी पिये , इसलिए बुझ गये आरती के दिये ।

गीत

आज मंदिर में मदिरा पुजारी पिये
इसलिए बुझ गये आरती के दिये।।
कैसी थी भावना
बन गई वासना
आदमी वेष में ये छिपे भेड़िये
इसलिये बुझ गये आरती के दिये
खूब शोषण किया
खुद का पोषण किया
अभी कितने गरल और मीरा पिये
इसलिये बुझ गये आरती के दिये
हम शिकारी कहें
या पुजारी कहें
जाल में फाँसकर प्राण ही के लिये
इसलिये बुझ गये आरती के दिये

ग़ज़ल

उलझनें खुद की बढ़ाने में लगा है शायद
हर कोई होड़ लगाने में लगा है शायद
मछलियाँ चाल पुरानी तो समझ बैठी हैं
वो नया जाल बिछाने में लगा है शायद

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित
शब्दम्

साहित्यिक कार्यक्रम

‘हिन्दी लघु पत्रिकाओं की वर्तमान स्थिति’ विषय पर चर्चा एवं ‘व्यंजना’ पत्रिका का विमोचन

● **कार्यक्रम:** ‘हिन्दी लघु पत्रिकाओं की वर्तमान स्थिति’ विषय पर चर्चा एवं ‘व्यंजना’ पत्रिका का विमोचन
● **अध्यक्षता:** श्री मंज़र–उल वासै ● **दिनांक:** 13 अगस्त 2019 ● **स्थान:** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

‘विचारशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ हिन्दी की लघु पत्रिकाएँ, सत्तर के दशक में कारपोरेट घराने से निकलने वाली पत्रिकाओं के सत्तावादी विमर्श में लिप्त होने तथा मनुष्य विरोधी संरचनाओं को हवा देने के प्रतिरोध में सामने आयीं। आज लगभग तीन सौ से अधिक लघु पत्रिकाएँ प्रकाशित हो रही हैं। प्रतिपक्ष का पूरा समाजशास्त्र गढ़तीं ये पत्रिकाएँ नए रचनाकारों के लिए भी वरदान साबित हुईं। हिन्दी के तमाम बड़े रचनाकार इन्हीं लघु पत्रिकाओं के माध्यम से सामने आए और उन्हें साहित्यिक स्वीकृति मिली। एक सुव्यवस्थित बुनियादी ढाँचा न होने के बावजुद हिन्दी की लघु पत्रिकाएँ पिछले चालीस वर्षों से निरन्तर पूँजीवादी पत्रिकाओं के आतंक को चुनौती देती रही हैं।’– उक्त विचार चर्चित कवि एवं आलोचक डॉ. महेश आलोक ने परिचर्चा में विषय प्रवर्तन करते हुए प्रस्तुत किये।

परिचर्चा शुरू होने से पूर्व लघु पत्रिका ‘व्यंजना’ का डॉ. महेश आलोक, श्री मंज़र–उल वासै, श्री अरविन्द तिवारी द्वारा विमोचन भी किया गया। ‘व्यंजना’ पत्रिका के संपादक डॉ. शिव कुशवाह एवं डॉ. अरविन्द यादव ने हिन्दी लघु पत्रिकाओं की वर्तमान चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. अरविन्द यादव ने कहा–लघु पत्रिकाओं का प्रादुर्भाव सेठाश्रयी व सत्ताश्रयी पत्रिकाओं के बरअक्स हुआ था। ये पत्रिकाएँ उस पीढ़ी को जो व्यवस्था परिवर्तन के स्वप्न के साथ

‘व्यंजना’ पत्रिका के विमोचन का दृश्य

क्रांति की मशाल लिए जन पक्षधरता व सामाजिक सरोकारों के मुद्दे उठाने को व्यग्र थीं, छापने में संकोच कर रही थी। ऐसे में इस क्रान्तिकारी पीढ़ी ने अपनी अभिव्यक्ति को स्वर देने के लिए अपनी पत्रिकाओं का प्रकाशन शुरू किया। देखते ही देखते देश के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों लघु पत्रिकाएँ निकलने लगीं थीं। भारत के स्वाधीनता संग्राम में भी लघु पत्रिकाओं ने महती भूमिका निभाई। डॉ. शिव कुशवाह ने कहा– ''लघुपत्रिकाएँ साहित्य की वाहक होती हैं। इनका प्रकाशन मुख्यधारा की पत्रिकाओं के विरोध स्वरूप साहित्यिक जनपक्षधरता और प्रतिरोध को आगे बढ़ाने के लिए हुआ। कोई भी बड़ा लेखक, कवि लघु पत्रिकाओं में प्रकाशित होने पर ही बड़ा लेखक कवि बनता है। यदि समय रहते लघु पत्रिकाओं को संस्थागत और सरकारी अनुदान नहीं मिला तो धीरे–धीरे लघुपत्रिकाओं के प्रकाशन पर बड़ा संकट उत्पन्न हो जाएगा। चर्चित व्यंग्यकार अरविन्द तिवारी ने चर्चा को गति प्रदान करते हुए कहा कि 'हिन्दी में चार तरह की पत्रिकाएँ प्रकाशित हो रही हैं। पहली वे जो बड़े घरानों की पत्रिकाएँ हैं, दूसरी सरकारी पत्रिकाएं, तीसरी एन.जी.ओ. द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ और चौथी वे पत्रिकाएँ जो जनपक्षधरता के साथ व्यवस्था विरोध और बड़ी पत्र–पत्रिकाओं की जकड़बन्दी से साहित्य को बाहर निकालने के उपक्रम में सामने आयीं। वस्तुतः ऐसी ही पत्रिकाओं को लघु पत्रिका कहा गया। तिवारी जी ने व्यंग्य लघु पत्रिकाओं की भी विस्तार से चर्चा की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में श्री मज़ंर–उल वासै ने सभी वक्ताओं के कथनों का समाहार करते हुए कहा कि अगर साहित्य को जीवित रखना हैं तो लघु पत्रिकाओं के अस्तित्व को बचाए रखने के लिए हम सभी को आगे आना पड़ेगा, क्योंकि ये पत्रिकाएँ व्यक्तिगत कोशिशों से निकलती हैं और शीघ्र ही धनाभाव के कारण काल कवलित हो जाती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि अपनी आयु में कम होने के बावजूद इन पत्रिकाओं का कद बहुत बड़ा होता है।

परिचर्चा का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. महेश आलोक ने किया।

समूह छायांकन

'छाया का समुद्र' का लोकार्पण

- **कार्यक्रम:** महेश आलोक के काव्य संग्रह 'छाया का
- समुद्र' का लोकार्पण • **दिनांक:** 04 अक्टूबर 2019
- **स्थान:** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद • **अध्यक्षता:** श्री उदयप्रताप सिंह (पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष उ.प्र. हिन्दी संस्थान)
- **आमंत्रित मुख्य वक्ता:** श्री लीलधर मंडलोई (दिल्ली), श्री मदन कश्यप (दिल्ली), डॉ. नलिन रंजन सिंह (लखनऊ), डॉ. अमिताभ राय (दिल्ली)

डॉ. महेश आलोक की कविता मनुष्यता को बचाए रखने की कविता है– उदयप्रताप सिंह

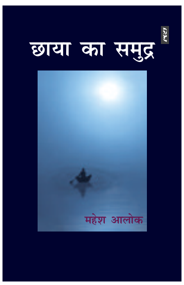

समकालीन हिन्दी कविता के चर्चित युवा कवि महेश आलोक के नए काव्य संग्रह 'छाया का समुद्र' का लोकार्पण हिन्द परिसर के संस्कृति भवन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शब्दम् के उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद कवि उदयप्रताप सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि दिल्ली से आए समकालीन कविता के प्रसिद्ध कवि मदन कश्यप थे। विशिष्ट अतिथियों में लखनऊ के चर्चित युवा आलोचक नलिन रंजन सिंह, एटा के कामेश्वर प्रसाद सिंह और फिरोजाबाद के रामसनेही लाल शर्मा 'यायावर' थे।

'छाया का समुद्र' पुस्तक का लोकापर्ण– एक दृश्य।

'राम की शक्ति पूजा' परिचर्चा

- **कार्यक्रम:** 'राम की शक्ति पूजा' परिचर्चा
- **दिनांक:** 9 फरवरी 2019 • **स्थान:** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद
- **मुख्य अतिथि:** प्रो. हरिमोहन शर्मा
- **आमंत्रित मुख्य वक्ता एवं कार्यक्रम अध्यक्ष:** श्री उमाशंकर शर्मा

भारत माँ की मुक्ति की कविता है राम की शक्ति पूजा– प्रो. हरि मोहन शर्मा

जे.एस. विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हरिमोहन शर्मा ने कहा कि निराला की 'राम की शक्ति पूजा' में सीता मुक्ति की बात कही गई है, वह दरअसल भारत–माता की मुक्ति की बात है। उस समय देश गुलाम था, अतः निरालाजी ने आजादी के संघर्ष का वर्णन इस कविता में किया है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता उमाशंकर शर्मा ने कहा कि निराला का जन्म वसंत पंचमी पर नहीं हुआ था पर वह अपना जन्मदिन सरस्वती के जन्मदिन के साथ मनाने लगे। उन्होंने कहा कि राम की मनोदशा और वाह्य प्रकृति दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इस कविता में इतनी गति है कि पाठक अनूठा आनंद प्राप्त करता है।

सम्मानित मंच।

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित
शब्दम्

साहित्यिक कार्यक्रम

शब्दम् 15वां स्थापना दिवस समारोह

- **कार्यक्रमः** 'समकालीन बाल कविताः नई चुनौतियाँ और संभावनाएँ'
- **सम्मानः** श्री प्रकाश मनु ● **अध्यक्षताः** श्री उदयप्रताप सिंह
- **दिनांकः** 17 नवम्बर 2019 ● **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

बाल कविता बच्चों का विस्मयकारी खिलौना है– प्रकाश मनु

शब्दम् के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर लब्ध प्रतिष्ठ बाल साहित्यकार एवं 'नंदन' (बाल पत्रिका) के पूर्व संपादक रहे प्रकाश मनु का साहित्य सेवी सम्मान किया गया। प्रकाश मनु ने समकालीन बाल कविता पर बोलते हुए कहा कि बाल कविता को बच्चे पढ़ते भी हैं और उससे खेलते भी हैं। बच्चों के लिए विस्मयकारी खिलौने का नाम बाल कविता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष उदयप्रताप सिंह ने कहा कि बाल कविता, एकता और सहानुभूति उत्पन्न करती है।

कार्यक्रम में साहित्यिक लोगों की उपस्थिति रही।

प्रकाश मनु का सम्मान करते शब्दम् सलाहकार समिति के सदस्य।

समूह छायांकन।

'समकालीन बाल कविता : नई चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषय पर बोलते प्रकाश मनु।

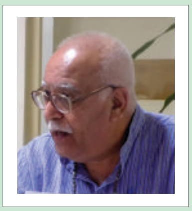

प्रकाश मनु : संक्षिप्त जीवन-परिचय

1950 : 12 मई को शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) में जन्म, प्रमाण–पत्र के अनुसार। वैसे सही जन्म–वर्ष 1951 है, और जन्मतिथि अज्ञात।

1971: नारायण कॉलेज, शिकोहाबाद से बी.एस–सी, की परीक्षा पास की।

1973 : आगरा कॉलेज, आगरा से भौतिक विज्ञान में एम.एस–सी. पास की।

1975 : नारायण कॉलेज, शिकोहाबाद से हिंदी साहित्य में एम.ए. की परीक्षा पास की।

1979 : 'छायावाद एवं परवर्ती काव्य में सौंदर्यानुभूति' विषय पर शोध–कार्य संपन्न।

1980 : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से शोध पर पी–एच.डी. की डिग्री हासिल की। बाद में पी–एच.डी. की डिग्री मदर टेरेसा ने प्रदान की, जो दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

1986 : 31 जनवरी को दिल्ली प्रेस से त्यागपत्र। उसी दिन हिंदुस्तान टाइम्स की बाल पत्रिका 'नंदन' के संपादकीय विभाग में ज्वाइन किया। इसी वर्ष अक्टूबर महीने में लोक साहित्य के लिए फकीर बने एक भव्य साहित्यकार देवेंद्र सत्यार्थीजी से मुलाकात।

2008 : बाल पत्रिका 'नंदन' में संपादक के रूप में पदोन्नति हुई।

2010 : 30 अप्रैल को बाल पत्रिका 'नंदन' के संपादन से अवकाश लिया।

बाल कविता बच्चों का विस्मयकारी खिलौना : मनु

कविता बच्चों के पढ़ने और खेलने का साधन: प्रकाश

बाल साहित्यकार प्रकाश मनु को किया सम्मानित

साहित्यिक कार्यक्रम

शब्दम् 16वां स्थापना दिवस समारोह

शब्दम् के सोलहवें स्थापना दिवस पर ईकार्ड एवं 16 वर्षों की गतिविधियों को पॉवरप्वाइन्ट प्रजेंटेशन एवं वीडियो के माध्यम से प्रसारण कर ऑनलाइन जागरूकता की गई। कोविड–19 महामारी के चलते इस वर्ष शब्दम् ने स्थापना दिवस समारोह सभागार आयोजित न करते हुए ऑनलाइन जागरूकता के माध्यम से लगभग 500 लोगों के मध्य शब्दम् की गतिविधियों को प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर शब्दम् ने चिंतन बैठक एवं पौधारोपण का भी आयोजन किया।

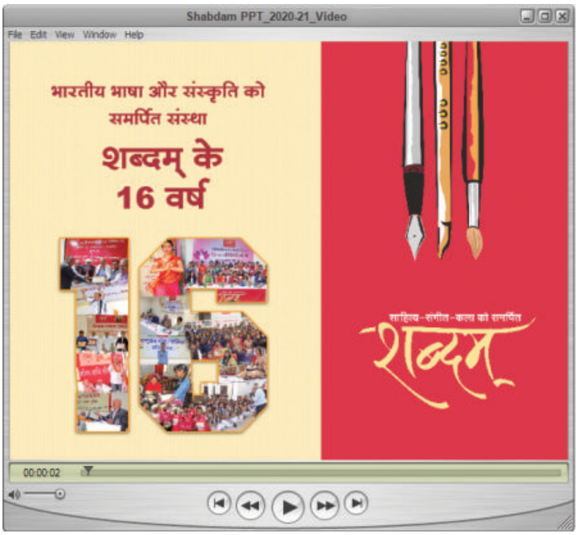

देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता

कभी भाव विभोर तो कभी देशप्रेम में रंग गए श्रोतागण

● **कार्यक्रमः** देशभक्ति गीत–गायन प्रतियोगिता

● **दिनांकः** 31 जनवरी 2019 ● **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

निर्णायक मण्डलः श्री अरविन्द तिवारी, श्री एस.के. शर्मा, श्रीमती प्रभा सिंह ● **अध्यक्षताः** श्री उमाशंकर शर्मा

शब्दम् संस्था ने सिलाई केन्द्र की छात्राओं के मध्य गीत–गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम में जानकीदेवी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र की कुल 18 छात्राओं ने अपने गीत प्रस्तुत किये।

निर्णायक समिति के अरविन्द तिवारी, एस.के. शर्मा, प्रभा सिंह ने कहा कि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान देने में उन्हें बहुत कठिनाई हुई क्योंकि प्रत्येक छात्रा ने आकर्षक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में प्रथम स्थान कु. रबीना, द्वितीय स्थान ज़ेबानाज़, तृतीय स्थान कुमारी रागिनी को प्राप्त हुआ।

प्रस्तुति देती छात्रा ज़ेबानाज़

ए मेरे वतन के लोगों जरा आंख में भर लो पानी...

शिकोहाबाद। ए मेरे वतन के लोगों, जरा आंख में भर लो पानी..। इस गीत को ... स्वर ... बैठे ...

मुमताज बेगम थीं। अध्यक्षता उमाशंकर शर्मा ने की।

धन्यवाद ज्ञापन मंजर उल-वासै ने दिया। संचालन प्रीती औहरी ने किया। शशि शर्मा, दीपक औहरी, सुबीर दत्ता, महेश, सविता शर्मा, मोहित जादौन, अभिषेक श्रीवास्तव, अनिल पालीवाल आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

... मिला। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष ...

कभी भावविभोर तो कभी देशप्रेम में रंग गए श्रोता

सभागार का दृश्य

समूह छायांकन।

राष्ट्रप्रेम गीत/कविता गायन प्रतियोगिता

- **कार्यक्रमः** राष्ट्रप्रेम गीत/कविता गायन प्रतियोगिता
- **दिनांकः** 10/08/2019 • **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

शब्दम् द्वारा आयोजित गीत/कविता गायन प्रतियोगिता हिन्दलैम्प्स परिसर स्थित संस्कृति भवन में आयोजित हुई। कार्यक्रम में डिवाइन इंटरनेशनल एकेडमी सिरसागंज, आईवी इंटरनेशनल एकेडमी फिरोजाबाद, यंग स्कॉलर्स एकेडमी, राज कॉन्वेंट इण्टर कॉलेज, एस.आर. एस. मैमोरियल विद्यालय शिकोहाबाद के दो–दो विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति से निर्णायक मण्डल के सदस्य मंज़र–उल वासै, डॉ. महेश आलोक, डॉ. चन्द्रवीर जैन काफी प्रभावित हुए। अंत में प्रथम स्थान डिवाइन इंटरनेशनल एकेडमी के आयुष यादव, द्वितीय स्थान आईवी इंटरनेशनल एकेडमी से गुनगुन यादव तथा तृतीय यंग स्कॉलर्स एकेड्मी के मुहम्मद सुहैल ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम के उपरान्त सभागार में उपस्थित लगभग 100 विद्यार्थियों ने अनंत वन में 100 पौधे रोपित किए।

प्रथम स्थान प्राप्त, गीत के अंश

है नमन उनको कि जो यशकाय को अमरत्व देकर
इस जगत के शौर्य की जीवित कहानी हो गये हैं
है नमन उनको कि जिनके सामने बौना हिमालय
जो धरा पर गिर पड़े पर आसमानी हो गये हैं
है नमन उस देहरी को जिस पर तुम खेले कन्हैया
घर तुम्हारे परम तप की राजधानी हो गये हैं
है नमन उनको कि जिनके सामने बौना हिमालय ....
हमने भेजे हैं सिकन्दर सिर झुकाए मात खाए
हमसे भिड़ते हैं वो जिनका मन धरा से भर गया है
नर्क में तुम पूछना अपने बुजुर्गों से कभी भी
सिंह के दाँतों से गिनती सीखने वालों के आगे
शीश देने की कला में क्या गजब है क्या नया है
जूझना यमराज से आदत पुरानी है हमारी..........

सभागार का एक दृश्य।

पुरस्कृत विद्यार्थियों का अतिथियों के साथ समूह छायांकनं।

पौधारोपण करते शिक्षक एवं विद्यार्थी।

गीत/कविता

सांस्कृतिक कार्यक्रम

राष्ट्रप्रेम गीत-गायन

- **कार्यक्रमः** राष्ट्रप्रेम गीत–गायन
- **दिनांकः** 23/01/2020 ● **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

- **शब्दम् गीत-गायन कार्यक्रम में 500 विद्यार्थियों की उपस्थित में 32 विद्यार्थियों ने किया काव्यपाठ**
- **जिस देश के हो तुम सही नागरिक, उस देश के लिए प्रेम चाहिए, जिस देश में हुआ जन्म तुम्हारा, उस देश की प्रगति के अरमान चाहिए- किरण बजाज**

इस कार्यक्रम में दिल्ली इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, राज कान्वेट इण्टर स्कूल, सन शाइन पब्लिक स्कूल, गार्डेनिया इण्टर कॉलेज, प्राथमिक विद्यालय कीठौत, मुरलीधर इण्टर कॉलेज, पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, गिरधारी इण्टर कॉलेज, रामशरण विद्या निकेतन, प्रहलाद राय टिकमानी सरस्वती इण्टर कॉलेज, सरस्वती विद्या शिशु मंदिर एवं ब्लूमिंग बड्स स्कूल इत्यादि विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति गीत एवं कविताओं का गायन प्रस्तुत किया। इस आयोजन हेतु चयनित कवियों/कवयित्रियों की कविताओं, गीतों का गायन किया जाना था। इनमें मैथिलीशरण गुप्त, रामधारीसिंह दिनकर, सुभद्राकुमारी चौहान, महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत, जयशंकर प्रसाद एवं माखनलाल चतुर्वेदी की कविताएं शामिल थीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

काव्य

युवा काव्य सम्मेलन

- **कार्यक्रमः** युवा काव्य सम्मेलन
- **दिनांकः** 12 दिसम्बर 2019 • **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

शब्दम् के मंच पर युवा विद्यार्थियों ने बिखेरी अपनी प्रतिभा
शब्दम् के युवा काव्य सम्मेलन में चौदह विद्यालयों के 700 से अधिक विद्यार्थियों की उपस्थिति में शब्दम् के मंच से पैतालीस कवि छात्र–छात्राओं ने किया काव्य पाठ

विद्यार्थियों में कविता के संस्कार रोपित करने के उद्देश्य से शब्दम् द्वारा युवा काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विद्यार्थियों ने सुनाई कविता

संवाद न्यूज एजेंसी

शिकोहाबाद। शब्दम् संस्था के मंच पर बृहस्पतिवार को आयोजित काव्य सम्मेलन में विद्यार्थियों की कविताओं पर वरिष्ठ कवियों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

काव्य सम्मेलन में नगर के 14 विद्यालयों के 700 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। 45 विद्यार्थियों ने मंच से अपनी स्वरचित कवि...

है मजाल ले जाए एक इंच भी तू मेरी सरहद का

काश दुनिया भी ऐसी होती हर जुबान पर मिठास होती

विद्यार्थियों की उपस्थिति में अपनी कविता प्रस्तुत करती छात्रा।

समूह छायांकन।

गणेश वंदना एवं भजन गायन ऑनलाइन प्रतियोगिता

गणेश चतुर्थी के अवसर पर विद्यार्थियों के मध्य गायन संस्कृति को विकसित करने के उद्देश्य से 18 अगस्त से 22 अगस्त 2020 तक गणेश वंदना एवं भजन गायन की ऑनलाइन प्रतियोगिता रखी गई, जिसमें कुल 38 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम स्थान संयुक्त रूप से गीताजंलि एवं प्राची दीक्षित ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से अनन्या अग्रवाल एवं मोहिनी ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान संयुक्त रूप से भावना शाक्या एवं मान्या ने प्राप्त किया। इस अवसर पर ईकार्ड के माध्यम से भी जागरूकता की गई।

प्रथम पुरस्कार प्राप्त गणेश वंदना

सभी देवों ने फूल बरसाये,
महाराज गजानन आये
देवा कौन तुम्हारी माता,
और कौन के लाल कहाये,
महाराज गजानन आये...
देवा गौरा तुम्हारी माता
शिवशंकर के लाल कहाये,
महाराज गजानन आये....
देवा कौन तुम्हारी पूजा,
और काहे के भोग लगाये,
महाराज गजानन आये.....
देवा नरियल तुम्हारी पूजा
और लड्डुन के भोग लगाए,
महाराज गजानन आये.....
देवा कौन तुम्हारी सवारी,
और काहे में प्रथम कहाये,
महाराज गजानन आये.....
देवा मूसक तुम्हारी सवारी है,
सभी देवों में प्रथम कहाये,
महाराज गजानन आये.....

विनोबा भावे जयंती के अवसर पर ई–जागरूकता कार्ड के माध्यम से उनके विचारों को प्रसारित किया गया है ।

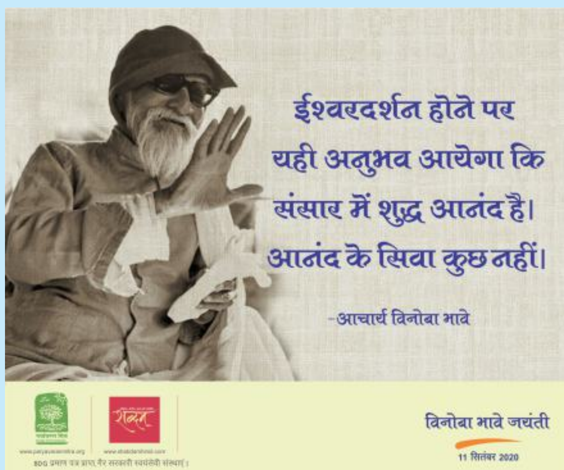

लोक गीत गायन

- **कार्यक्रमः** लोक गीत गायन
- **लोक गीत गायकः** श्री अशोक मथुरिया
- **दिनांकः** 28 फरवरी 2019 ● **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद
- **अध्यक्षताः** श्री उमाशंकर शर्मा

"सईयां ले चल मोकू गांव, शहर में नहीं रह पाऊंगी............."

'शब्दम्' संस्कृति भवन सभागार में देश में विख्यात स्थानीय लोकगीत गायक अशोक मथुरिया द्वारा लोकगीत गायन कार्यक्रम का आयोजन।

प्रस्तुति देते गीतकार अशोक मथुरिया।

अशोक मथुरिया

लोकगीत गायन के नायक है। अशोक मथुरिया में कविता करने की प्रतिभा जन्मजात थी। फलतः विद्यालय के कार्यक्रमों में वे प्रायः स्वरचित कविताएँ प्रस्तुत किया करते थे और पसंद किये जाते थे। धीरे-धीरे वे स्थानीय कवि गोष्ठियों में भी सम्मिलित होकर काव्य पाठ करने लगे। उस समय वे अभ्यास के रूप में मुक्तक, दोहे, सवैये, लोकगीत इत्यादि सभी विधाओं में काव्य पाठ करते। किन्तु जो आकर्षण उनके लोकगीतों में होता इतना अन्य विधाओं में नहीं।

समूह छायांकन।

नृत्य-संगीत

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्पिक मैके एवं शब्दम् कार्यक्रम

वर्ष 2014 से स्पिक मैके के साथ संयुक्त तत्वावधान में शब्दम् शिकोहाबाद चेप्टर द्वारा 125 से अधिक शास्त्रीय कार्यक्रम उन ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के मध्य कराए गए, जिस जगह विद्यार्थियों के लिए कई मूलभूत सुविधाएं भी नहीं हैं। स्पिक मैके एवं शब्दम् का उद्देश्य इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति से रूबरू कराना है।

कथक नृत्यांगना दीप्ती गुप्ता, शास्त्रीय गायक रिंदाना रहस्या, ध्रुपद गायक प्रशांत मलिक एवं निशांत मलिक।

कलाकार – कत्थक नृत्यांगना दीप्ति गुप्ता

कार्यक्रम– कथक कार्यशाला एवं नृत्य | दिनांक– 6 मई 2019 से 7 मई 2019

स्थान– न्यू नारायण विद्यालय शिकोहाबाद, सर्वोदय स्थली ब्रह्माण्डेश्वर बाकलपुर, संस्कृति भवन हिन्द लैम्प्स परिसर स्थित संस्कृति भवन, प्राथमिक विद्यालय नीम खेरिया, एस.आर. ज्ञानेश्वरी इण्टर कॉलेज फिरोजाबाद।

कलाकार परिचय | दीप्ति गुप्ता

दीप्ति गुप्ता का जन्म जिला आगरा के कस्बा ऐत्मादपुर में हुआ। बचपन से ही नृत्य में उनकी विशेष रुचि को देखते हुए उनके माता–पिता ने ऐत्मादपुर में ही कलावती संगीत कला निकेतन में नृत्य प्रशिक्षण हेतु उन्हें प्रवेश दिला दिया।

दीप्तिजी ने वर्ष 2008 से 2019 तक देश के प्रमुख शहरों जैसे जबलपुर, भोपाल, त्रिवेंद्रम्, जयपुर, लखनऊ उड़ीसा, मुम्बई के साथ–साथ विदेशों में यूनाईटेड किंगडम, मंगोलिया, मलेशिया, बहरीन, चीन इत्यादि अनेक देशों में अपनी कला का परचम लहराया है।

आमंत्रित कलाकार – रिंदाना रहस्या एवं साथी कलाकार श्रुति राज वर्मा

कार्यक्रम–शास्त्रीय संगीत गायन प्रस्तुति एवं कार्यशाला दिनांक– 05 अगस्त 2019 से 8 अगस्त 2019 स्थान– 1. शान्ति देवी आहूजा महाविद्यालय, जसलई रोड, शिकोहाबाद 2. आईवी इंटरनेशनल एकेडमी, एन. एच. 2, फिरोजाबाद 3. डिवाइन इंटरनेशनल एकेडमी, सोथरा रोड, सिरसागंज 4. एस.आर.एस. मैमोरियल स्कूल, एन.एच.2 शिकोहाबाद 5. शिव आदर्श एकेडमी, पाढ़म, जसराना 6. राज कान्वेंट विद्यालय, स्टेशन रोड, शिकोहाबाद 7. हिन्द लैम्प्स परिसर स्थित संस्कृति भवन 8. पी.एस. ग्लोबल एकेडमी, मदनपुर, सिरसागंज 9. संस्कार इंटरनेशनल एकेडमी, डंडियामई

कलाकार परिचय। रिंदाना रहस्या,

रिंदाना रहस्या हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन की एक उभरती हुई कलाकार है। वर्तमान में रिंदानाजी दिल्ली विश्वविद्यालय के संगीत विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। आप आकाशवाणी की कलाकार भी हैं।

पुरस्कारः ● यूजीसी द्वारा जूनियर एण्ड़ सीनियर रिसर्च फेलोशिप। ● दिल्ली विश्वविद्यालय से प्रो ए.एस. पैंटल मैमोरियल कैश आवार्ड, डॉ. राकेश बाला सक्सेना कैश आवार्ड। ● उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार। ● गांधी हिन्दुस्तानी साहित्य सभा, दिल्ली द्वारा संगीत साधक अवार्ड ● तुषार पंडित मेमोरियल अवार्ड नई दिल्ली।

आमंत्रित कलाकार – प्रशांत मलिक वं निशांत मलिक (मलिक बंधु)

कार्यक्रम– ध्रुपद गायन दिनांक– 20 अगस्त 2019 स्थान– हिन्द लैम्प्स परिसर स्थित संस्कृति भवन, शिकोहाबाद।

कलाकार परिचय। प्रशान्त मलिक एवं निशान्त मलिक

प्रशान्त मलिक एवं निशान्त मलिक, मलिक ब्रदर्स के नाम से विख्यात हैं जो दरभंगा की ध्रुपद परम्परा को प्रदर्शित करते हैं।

कलाकार – कत्थक नृत्यांगना शिखा शर्मा

कार्यक्रम– कथक कार्यशाला एवं नृत्य | दिनांक– 17 फरवरी 2020 से 19 फरवरी 2020

स्थान– 1. श्रीमती विमलादेवी पब्लिक स्कूल, लौहरई | 2. फातिमा पब्लिक स्कूल, रुकनपुर, शिकोहाबाद | 3. संस्कृति भवन,हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद | 4. कृष्टो ग्लोबल अकेडमी, शिकोहाबाद | 5. एस.आर.के अकेडमी, नयाबांस 6. पालीवाल पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद | 7. एस.एस.जे. कोन्सेप्ट स्कूल, शिकोहाबाद |

कलाकार परिचय | शिखा शर्मा

शिखा शर्मा एक युवा प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना हैं | आपने नृत्य की शिक्षा देश की पहली मुस्लिम कथक नृत्यांगना रानी ख़ानमजी से ली, साथ ही सुश्री महुआ शंकरजी से भी आपने शुरूआती शिक्षा ली |

शिखा शर्माजी दूरदर्शन की ग्रेडेड आर्टिस्ट हैं। इन्होंने कथक नृत्य में खैरागढ़ से मास्टर्स के साथ–साथ प्रयाग संगीत समिति से प्रवीण तथा भातखण्डें संगीत विद्यापीठ से विशारद की मानद डिग्री भी प्राप्त की है | ये आई.सी.सी.आर. की इम्पैनल्ड आर्टिस्ट हैं |

देश के कई शहरों के साथ ये ताईवान, क़तर, रशिया, फ्रांस, इटली तथा स्विटज़रलैंड में भी अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे चुकी हैं |

आंतरिक संगीत

- **कार्यक्रम** : रवीन्द्र संगीत पर आधारित कार्यक्रम
- **दिनांक** : 1 फरवरी 2020

स्थान : होमी भाभा ऑडोटोरियम, मुम्बई

1 फरवरी 2020 को आंतरिक संगीत नाम से होमी भाभा ऑडोटोरियम नेवी नगर मुम्बई में रवीन्द्र संगीत पर आधारित कार्यक्रम शब्दम् के बैनर तले हुआ।

अपराजिता मण्डल व सौमित्रो सेन गुप्ता ने रविन्द्र संगीत प्रस्तुत किया।

रवीन्द्र संगीत की प्रस्तुति देते कलाकार।

समूह छायांकन।

कबीर फ़ेस्टीवल मुम्बई 2020

कबीर फ़ेस्टीवल मुम्बई 2020 सहेज फ़ाउण्डेशन द्वारा 17 से 26 जनवरी के मध्य मुम्बई के 17 भिन्न–भिन्न स्थानों पर आयोजित किया गया। कुल 23 कार्यक्रम आयोजित हुए। शब्दम् मुख्य प्रायोजक के रूप में इसमें शामिल रहा।

कबीर फेस्टीवल पिछले 6 वर्षों से मुम्बई में आयोजित किया जाता रहा है। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता है कि 'दौड़ती मुम्बई' का युवा, कबीर के सूफियाना अंदाज में क्षणभर रुककर, 'कबीर बनकर' नाचने लगता है।

आयोजित हुए कुछ मुख्य कार्यक्रम निम्न हैं :

1. शाह लतीफ़ के सूफी दर्शन पर आधारित फिल्म ''A Cawing Clamour Fills the Word'' 2. हिंमाशु वाजपेयी द्वारा लिखित एवं वेदान्त भारद्वाज द्वारा स्वरबद्ध एक संगीतमय दास्तान ''दास्तान गांधी अभय की'' 3. हिंमाशु वाजपेयी द्वारा लिखित एवं वेदान्त भारद्वाज द्वारा स्वरबद्ध एक संगीतमय दास्तान ''गाथा तुलसीदास'' 4. ''फ़ना– स्त्री की आवाज'' कार्यक्रम 5. रागिनी रेनू द्वारा प्रस्तुत ''गुरुवाणी''
6. ''अवधूत–निर्गुण ज्ञान'' श्रुति विश्वनाथ द्वारा प्रस्तुत 7. प्रहलाद सिंह तिपनिया द्वारा ''कथक कबीरा'' 8. हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायिका राधिका सूद नायक द्वारा प्रस्तुत ''मंलग फ़कीर शाह हुसैन'' 9. पारवथी बाउल और लक्ष्मणदास बाउल द्वारा ''Call of the Baul'' 10. मोरालाला मारवाडा और श्रुति विश्वनाथ द्वारा प्रस्तुत ''कच्छ का रहस्यवादी संगीत'' 11. इसके अतिरिक्त कुछ वर्कशॉप, कव्वाली कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये।

कबीर फेस्टीवल कार्यक्रम की विभिन्न झलकियाँ।

शिक्षक सम्मान समारोह

- **कार्यक्रमः** शिक्षक सम्मान समारोह
- **दिनांकः** 6 सितम्बर 2019 • **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद
- **विशिष्ट शिक्षक सम्मानः** मुहम्मद शाहिद, शिवरतन सिंह एवं परवीन बेगम।

शिक्षक दिवस 2019 के अंतर्गत शिकोहाबाद संस्कृति भवन में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ, इसमें निम्न शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

मुहम्मद शाहिद – जनपद फिरोजाबाद के प्राइमरी स्कूल, कीठौत के प्रधानाचार्य मुहम्मद शाहिद जिन्होंने एक सरकारी विद्यालय को आदर्श विद्यालय बनाया, सम्मानित किया। इनको इस वर्ष जिलाधिकारी महोदय ने भी आदर्श शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया।

शिवरतन सिंह– योगगुरु शिवरतन सिंह को कई लोगों को निःशुल्क योग की शिक्षा प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया।

परवीन बेगम – सिलाई केन्द्र शिक्षिका परवीन बेगम ने कई छात्राओं को रोजगार परक सिलाई शिक्षा देते हुए स्वावलम्बन से जीना सिखाया। उनकी इस गुणवत्ता को देखते हुए उन्हें शब्दम् शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

सम्मानित योगाचार्य शिवरतन सिंह, मुहम्मद शाहिद का सम्मान करते शब्दम् सलाहकार।

सिलाई शिक्षिका परवीन बेगम का सम्मान करते शब्दम् सलाहकार समिति के सदस्य।

समूह छायांकन।

शिक्षक सम्मान समारोह

शब्दम् संस्था द्वारा 2020 का शिक्षक सम्मान अलवर, मध्यप्रदेश के रहने वाले शिक्षक सुरेन्द्र राव को ऑनलाइन माध्यम से दिया गया। सुरेन्द्र राव निर्धन बच्चों को उनके पास जाकर चित्रकला से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

कोविड काल में ऑनलाइन शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए शब्दम् संस्था ने इस वर्ष ज्ञानदीप विद्यालय से आशीष गुप्ता एवं शान्ति देवी आहूजा से नवीन मिश्रा को भी विशेष शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया ।

शब्दम् सलाहकार डॉ. रजनी यादव द्वारा सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को वीडियो के माध्यम से शिक्षक दिवस अवसर पर जागरूक किया।

इसके अतिरिक्त संस्था ने एक से पांच सितम्बर तक लगातार ई–जागरूकता कार्ड जारी किए। ये जागरूकता कार्ड उन शिक्षकों पर आधारित थे, जो लगातार बिना किसी प्रसिद्धि की चाह में धरातलीय स्तर पर शिक्षा का संचार कर रहे थे।

इसमें 'साइकिल गुरुजी' आदित्य कुमार प्रतिदिन 7 से 65 किलोमीटर साइकिल चलाकर गंदी बस्तियों में रहने वाले बच्चों को पढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। भारती कुमारी हर रोज सुबह–शाम गांव के 50 बच्चों को आम के पेड़ के नीचे हिंदी, अंग्रेजी और गणित पढ़ातीं हैं। राजेश कुमार शर्मा 'पुल के नीचे मुफ्त स्कूल' नामक विद्यालय संचालित कर, गत 9 वर्षों से यमुना नदी के किनारे झुग्गी झोपड़ियों के मुफ्त शिक्षा देने में कार्यरत हैं। रोशनी मुखर्जी ऑनलाइन माध्यम से शिक्षण कार्य रही

हैं और गणित, फिजिक्स, बायोलॉजी एवं कैमेस्ट्री पर शिक्षा के लिए लगभग 4000 से भी अधिक वीडियो बना चुकी हैं। अब्दुल मलिक 'गणित के तैराक' शिक्षक के नाम से प्रसिद्ध हैं। घर और स्कूल के मध्य एक नदी होने के कारण वह नदी में तैरकर 19 वर्षों में 700 किलोमीटर से भी अधिक शिक्षण कार्य करने का कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर 51 पौधे भी रोपित किए गए।

शिक्षकों का शब्दम संस्था ने ऑनलाइन किया सम्मान

प्रोत्साहन

शिकोहाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

शब्दम् संस्था ने शिक्षक दिवस पर ऑन लाइन शिक्षकों का सम्मान किया। जबलवर, मध्य प्रदेश के रहने वाले चित्रकला शिक्षक सुरेंद्र राव को शिक्षक सम्मान दिया। शिक्षक दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों, निर्धन समुदायों, छोटे बड़े शहरों में जाकर बच्चों को कला से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। कोविड काल में ऑनलाइन ... बढ़ावा देने के लिए शब्दम् संस्था ... एवं शांति

विद्यालय संचालित कर रहे हैं। वह 9 वर्षों से यमुना नदी के किनारे झुग्गी झोपड़ियों के मुफ्त शिक्षा देने का कार्य कर रहे हैं।

रोशनी मुखर्जी ऑनलाइन के माध्यम से शिक्षक कार्य रही हैं और गणित, फिजिक्स, बायोलॉजी एवं कैमेस्ट्री पर शिक्षा के लिए लगभग 4000 से भी अधिक वीडियो बनाए हैं। अब्दुल मलिक गणित के तैराक शिक्षक के नाम से प्रसिद्ध हैं।

घर और स्कूल के मध्य एक नदी होने के कारण वह नदी में तैरकर 19 वर्षों में 700 किलोमीटर से भी अधिक तैरकर शिक्षण कार्य करने का कार्य कर रहे हैं।

संस्था ने सभी को ऑन लाइन स्वागत ... संस्था ने शब्दम् सलाहकार ... कुमार

भारत का घुमक्कड़ चित्रकला शिक्षक
श्री सुरेन्द्र राव

अपने खाली समय में राव सा. 'समाज' के अवसादों, समस्याओं और हमारे त्योहारों का चित्रण करते हैं।

बच्चों को चित्रकला कला के आनंद की भेंट देने के लिए वह पूरे भारत में घूमते हैं। गाँव-गाँव, एक छोटे शहर से दूसरे शहर। मिलिए जबलपुर के सुप्रसिद्ध घुमक्कड़ कलाकार सुरेन्द्र राव से जो राव सा० के नाम से लोकप्रिय हैं।

सब बच्चों को ड्राइंग और पेंटिंग करना पसंद है किंतु अधिकतर प्राइमरी स्कूलों में अच्छे चित्रकला-शिक्षक के अभाव में उनका कौशल अव्यक्त रह जाता है। युवावस्था में राव सा० को इसी समस्या का सामना करना पड़ा, सो उन्होंने प्रण किया कि बड़ा होकर वह कला को बच्चों के लिए मुहैया करवायेंगे। सन् १९८७ में उन्होंने जबलपुर फाइन आर्ट्स स्कूल के वाइस प्रिंसीपल का पद छोड़ दिया और बच्चों को कलाकार बनने की प्रेरणा देने छोटे-छोटे गाँवों व शहरों में जाना शुरू कर दिया। अबतक वह दूर-दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों, निर्धन समुदायों, छोटे-बड़े शहरों में जाकर बच्चों को कला से जोड़ चुके हैं। उनकी कलाकृतियों की कई प्रदर्शनियाँ वह कर चुके हैं, ताकि उनकी भावनाओं को अभिव्यक्ति मिल सके और वे स्वयं पर गर्व कर सकें।

रचनात्मक बनने की योग्यता प्राप्त करना हमारे बच्चों की सफलता तथा परिवारों के सुख के लिए अहम है। आज के इस चुनौतीपूर्ण वातावरण में राव सा० के कार्य से बच्चों को खुश एवं उनके मन को केंद्रित बनाए रखने में बहुत सहायता मिली है।

आप भी किसी एक को पढ़ाएँ

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment
www.paryavaranmitra.org

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित
शब्दम्
www.shabdamhindi.com

भारत के अद्भुत शिक्षक

शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ
5 सितंबर 2020

80G प्रमाण पत्र प्राप्त, गैर सरकारी स्वयंसेवी संस्थाएं।

ट्यूब मास्टर
अब्दुल मलिक
गणित के तैराक शिक्षक

अब्दुल मलिक केरल के मल्लापुरम गांव में गणित के अध्यापक हैं। 12 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए अब्दुल को दो बसें बदलकर जाने में 2 घंटे लगते थे लेकिन जल मार्ग से घर व स्कूल की दूरी मात्र एक किलोमीटर थी। सो उन्होंने तैरकर जाने का निश्चय किया हालांकि बरसात में पानी मैला और बहाव बहुत तेज हो जाता था बल्कि साँप आदि भी आ जाते थे। अब्दुल की इच्छा शक्ति दृढ़ थी वह एक नियमित शिक्षक रहे और 1 दिन की भी छुट्टी उन्होंने नहीं ली।

एक थैले में सूखे कपड़े, जूते, खाने का डिब्बा और एक छतरी लेकर वह यह सफर तय करते हैं। उनके पास एक ट्यूब है जो उन्हें एक हाथ से तैरने में सहायता करती है। प्यार से उनके विद्यार्थी उन्हें 'ट्यूब मास्टर' कह कर बुलाते हैं।

पिछले 19 वर्षों में अब्दुल मलिक 700 किलोमीटर से भी अधिक तैरे हैं। उनकी निष्ठा के लिए तमिलनाडु की स्व. मुख्यमंत्री सुश्री जयललिता ने शिक्षक दिवस पर उनका अभिनंदन किया।

बीबीसी ने भी 'तैराक गणित शिक्षक' की उपाधि से उन्हें विभूषित किया। इंग्लैंड में बसे एक भारतीय डॉक्टर ने उन्हें सुरक्षा की दृष्टि से एक फाइबर ग्लास की नाव भेंट की।

gmOÝ` : www.legaldesk.com

आप भी किसी एक को पढ़ाएँ

पर्यावरण मित्र
Friends of Environment
www.paryavaranmitra.org

साहित्य-संगीत-कला को समर्पित
शब्दम्
www.shabdamhindi.com

भारत के अद्भुत शिक्षक

शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ
5 सितंबर 2020

80G प्रमाण पत्र प्राप्त, गैर सरकारी स्वयंसेवी संस्थाएं।

हिन्दी विद्यार्थियों एवं हिन्दी सेवियों का सम्मान

- **कार्यक्रमः** हिन्दी विद्यार्थियों एवं हिन्दी सेवियों का सम्मान
- **दिनांकः** 16 सितम्बर 2019 ● **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद, उ.प्र.।

साहित्य संगीत कला है हिंदी, लगाओ प्रेम से उसकी बिंदी– गीतिका बजाज

शब्दम् संस्था द्वारा इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर में हिन्दी विषय में अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों एवं हिन्दी के लिए निरन्तर कार्य कर रहे पत्रकारगण तथा गण्यमान्यजनों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के साथ–साथ 'विश्व में हिन्दी भाषा का बढ़ता हुआ प्रभाव' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। सभागार में मुम्बई से भेजे प्रो. नंदलाल पाठक एवं कु. गीतिका बजाज का संदेश पढ़कर सुनाया गया।

विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ–साथ हिन्दी सेवी सम्मान कार्यक्रम के तहत प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रोनिक मीडिया से राजेश द्विवेदी, दिनेश बैजल, मुहम्मद आरिफ़, उमेश शर्मा, राघवेन्द्र सिंह, विकास पालीवाल, बनवारी लाल कुशवाह, शशांक मिश्रा, गगन बिहारी, नवीन उपाध्याय, मुकेश गुप्ता, निकुंज यादव, राममोहन शर्मा, ब्रजेश राठौर, अतुल कुमार यादव, प्रदीप, दिलीप कुलश्रेष्ठ पत्रकारगण को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के क्रम में गण्यमान्य जनों में कृपाशंकर शर्मा 'शूल', नवीन मिश्रा, लक्ष्मीनारायण यादव, मंज़र–उल वासै, डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया, डॉ. महेश आलोक, अरविन्द तिवारी को हिन्दी सेवी सम्मान से सम्मानित किया गया।

सम्मानित विद्यार्थियों का समूह छायांकन।

हिन्दी विद्यार्थियों का सम्मान

हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी विषय में इण्टरमीडिएट में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रशस्तिपत्र से सम्मानित किया गया, जिसमें कुल 28 विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर 10 सितम्बर से 14 सितम्बर 2020 तक ई जागरूकता कार्ड के माध्यम से शब्दम् पटल से जुड़े सदस्यों को जागरूक किया।

प्रश्नमंच

यदि विद्यार्थियों के मन में हिन्दी को सम्मान की भाषा बनाना है तो सर्वप्रथम उनके मन में हिन्दी विषय के प्रति जिज्ञासा पैदा करनी होगी। इसका सबसे अच्छा माध्यम प्रश्न–उत्तर हैं। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शब्दम् विद्यार्थियों के मध्य प्रश्नमंच कार्यक्रम का आयोजन प्रश्नमंच उपसमिति के अध्यक्ष श्री मंज़र–उल वासै एवं सदस्य डॉ. चन्द्रवीर जैन के नेतृत्व में किया जाता है। व्यावहारिक उपयोग और 'शब्दम्' का नाम व्यापक क्षेत्र में लोकप्रिय बनाने की दृष्टियों से यह 'शब्दम्' का सर्वोत्तम कार्यक्रम है।

अभी तक लगभग 97 हजार विद्यार्थियों के मध्य 293 विद्यालयों/महाविद्यालयों में प्रश्नमंच कार्यक्रम पहुँच चुका है।

प्रश्नमंच कार्यक्रम की विभिन्न झलकियाँ।

इस वर्ष आयोजित हुए प्रश्नमंच कार्यक्रम के विद्यालय-

1. श्री ए. बी. एम. इण्टर कॉलेज, पोखरा, हरिया।
2. प्राथमिक विद्यालय कीठौत, वि.ख. अरांव, सिरसागंज।
3. माँ जानकी श्री उ. मा. विद्यालय विजयपुर, दबरई, फिरोजाबाद।
4. राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर, राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसागंज।
5. पालीवाल पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद।
6. मधुमाहेश्वरी सरस्वती बालिका उ. मा. विद्या मंन्दिर, शिकोहबाद।
7. एस.आर.के. एकेडमी नया बाँस, खैरगढ़, फिरोजाबाद।
8. प्रहलादराय टीकमानी सरस्वती इण्टर कॉलेज, शिकोहाबाद।
9. श्री शंकर बाल विद्यालय मुस्ताफाबाद रोड, शिकोहाबाद।
10. लोर्ड कृष्णा किड्स एकेडमी बनवारा, फिरोजाबाद।
11. माँ अंजनी इस्टीट्यूट ऑफ एजूकेशन, एटा रोड, शिकोहबाद।
12. पी.एस. ग्लोबल एकेडमी पब्लिक स्कूल, मदनपुर, फिरोजाबाद।
13. नव दुर्गा पब्लिक स्कूल, नादउ, बहादुरपुर।
14. कारगिल अमर शहीद इण्टर कॉलेज, नवादा, मक्खनपुर।
15. श्रीमती शान्तिदेवी लज्जाराम इण्टर कॉलेज, माड़ई, फिरोजाबाद।
16. कृष्टो ग्लोबल एकेडमी, दिखतौली, शिकोहाबाद।
17. नारायण कॉलेज, शिकोहाबाद।
18. श्रीदुर्गा इण्टर कॉलेज, जसराना।
19. कुँ. आर.सी. महिला महाविद्यालय, मैनपुरी।
20. लोक राष्ट्रीय इण्टर कॉलेज जसराना।
21. आदर्श जनता इण्टर कॉलेज, जसराना।
22. राजकीय महिला इण्टर कॉलेज, जसराना।
23. डी.ए.वी. इण्टर कॉलेज, फिरोजाबाद।
24. एस.आर.के. इण्टर कॉलेज, फिरोजाबाद।
25. पुरातन सरस्वती विद्या मंदिर (इं.कॉ.) शिकोहाबाद।
26. राम कन्या विद्यालय इण्टर कॉलेज, फिरोजाबाद।
27. ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल, शिकोहाबाद।
28. प्रवीन विद्यापीठ सिरसागंज।
29. उच्च प्राथमिक विद्यालय असुआ वि.ख. शिकेहाबाद।
30. मान्धाता एकेडमी जहानाबाद, बीरई, मदनपुर फिरोजाबाद।
31. माँ जे.एस. पब्लिक स्कूल, न.कुंजी, बम्हौरी, घिरोर, मैनपुरी।
32. श्री साहब सिंह कन्या इण्टर कॉलेज, मुस्तफाबाद रोड, शिकोहाबाद।
33. आर.जी.एस. इण्टर कॉलेज, आजाद नगर, गुदाऊँ, फिरोजाबाद।
34. श्री राधा जी सेवारत इण्टर कॉलेज, बझेरा, बुजुर्ग, फिरोजाबाद।
35. श्रीमती चमेली देवी पथरिया, इण्टर कॉलेज, कचोलरा, अराँव।
36. एम.डी.पब्लिक इण्टर कॉलेज, अशुतोषनगर, पैगू रोड, सिरसागंज।
37. एम.एस. मैमोरियल पब्लिक स्कूल, गली रहट, शिकोहाबाद।
38. महर्षि परशुराम शिक्षण संस्थान, एटा, फिरोजाबाद।
39. श्रीमती मंगला देवी सरस्वती इण्टर कॉलेज, बझेरा बुजुर्ग, फिरोजाबाद।
40. गुरु नानक पब्लिक स्कूल, मोहम्मदपुर, शिकोहाबाद।
41. श्री विक्रम सिंह उ.मा.विद्यालय न. नौकटा दखिनारा, फिरोजाबाद।

मेरा भारत स्वर्णिम भारत– युवा जागृति परिचर्चा

- **कार्यक्रम विषय :** मेरा भारत स्वर्णिम भारत–युवा जागृति परिचर्चा
- **दिनांक :** 20 मई 2019 ● **आमंत्रित अतिथि :** ब्रह्माकुमारी आश्रम माउंट आबू टीम
  स्थान : हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद, उ.प्र.

- **सकारात्मक सोच से सारे कार्य सकारात्मक होने लगते हैं......**
- **एक ही लक्ष्य – व्यसन मुक्त भारत**
- **चारित्रिक मूल्य हमारे जीवन का शृंगार है......**

ब्रह्माकुमारी प्रवक्ता चरित्र ज्ञान पर व्याख्यान देते हुए।

ब्रह्माकुमारी के युवा प्रभार की तरफ से चरित्र निर्माण एवं व्यसन मुक्त भारत लक्ष्य के साथ माउंट आबू से आयी बस यात्रा एवं प्रोजेक्टर प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

ब्रह्माकुमारी टीम में फरीदाबाद से बी.के. पूजा बहन, सूरत से बी.के. किरण बहन, नोएडा से बी.के. नरेश भाई, बिन्दकी उत्तर प्रदेश से बी.के. सीता बहन एवं बी.के. दिव्या बहन व बी.के. राम मोहन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन शिकोहाबाद ब्रह्माकुमारी केन्द्र संचालिका बी.के. पूनम बहन द्वारा किया गया।

सभागार में उपस्थित गण्यमान्य नागरिक।

सभागार का एक दृश्य।

रामनवमीं के उपलक्ष्य में चर्चा 'युवाओं के प्रेरणा स्रोत राम'

● **कार्यक्रम** : रामनवमीं के उपलक्ष्य में चर्चा 'युवाओं को प्रेरणा स्रोत राम'
● **दिनांक** : 26 अप्रैल 2019 ● **मुख्य वक्ता** : बालशुक, शरद कृष्णजी महाराज
स्थान : हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद, उ.प्र.

युवा मन होता है उम्र नहीं- शरद कृष्णजी महाराज

बालशुक शरद कृष्ण जी महाराज ने कहा कि किसी भी व्यक्ति का मन युवा होता है, उम्र नहीं। इस लिए राम सभी वर्गों के लिए प्रेरणा का कार्य करते हैं। राम को तुलसी से विलग नहीं कर सकते। राम ने सबसे पहले तुलसी को ही प्रेरणा दी। राम का सबसे बड़ा चारित्रिक गुण यह है कि वह अहं का निवारण करते हैं। राम का चरित्र हर एक व्यक्ति के जीवन को अनुप्राणित करता है। दरअसल राम व्यक्ति विशेष नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। राम से बड़ा कोई धर्म निरपेक्ष व्यक्ति नहीं है।

युवा किसी भी व्यक्ति का मन होता है उम्र नहीं: शरद

राम व्यक्ति विशेष नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है : शरद

राम के आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं: बालशुक

मुख्य वक्ता बालशुक शरद कृष्ण।

सभागार का एक दृश्य।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

नृसिंह अवतार की प्रासंगिकता

- **कार्यक्रमः** नृसिंह अवतार की प्रासंगिकता
- **दिनांकः** 16 मार्च 2019 • **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद
- **प्रवचनः** भागवत भास्कर श्रीकृष्णचंद्र शास्त्री 'ठाकुरजी'

सत्य परेशान हो जाता है किन्तु पराजित नहीं होता– 'ठाकुर जी'

श्री ठाकुरजी ने सभागार में उपस्थित श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में अत्याचार के विरुद्ध हमेशा अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हो सकता है कि इस कार्य में आप कुछ समय के लिए अकेले हों जाय परन्तु इस राह में आपके साथ जो भी कठिनाई आयेगी, भगवान उसमें आपकी सहायता करेंगे।

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि भक्त प्रह्लाद ने अकेले ही अन्याय के विरुद्ध खड़े होकर अपने पिता से विरोध किया एवं बाद में सभी शक्तियाँ नृसिंह भगवान के रूप में उनके साथ हो गईं और उन्होंने सफलता हासिल की। जो लोग कभी किसी का बुरा नहीं सोचते ना ही किसी का बुरा करते हैं, हजारों शक्तियाँ हमेशा उनका सहयोग करती हैं। दृढ़ निश्चय और सत्य संकल्प लेकर चलने वाले व्यक्ति को हजारों आसुरी शक्तियाँ क्षति नहीं पहुँचा सकती हैं। सत्य परेशान हो जाता है किन्तु पराजित नहीं होता। इसलिए हमें किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होना चाहिए क्योंकि सत्यनिष्ठा राष्ट्रहित की भावना का कवच होती है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमीपर पूज्य इन्द्रेशजी का वीडियो संदेश

श्रीकृष्ण जन्माष्टमीपर युवाओं को जागृत करने के लिए पूज्य इन्द्रेशजी का वीडियो संदेश शब्दम् से जुड़े युवाओं के मध्य वायरल किया गया। इस अवसरपर ई–जागरूकता कार्ड भी प्रसारित किया गया।

पूज्य इन्द्रेशजी के वीडियो संदेश से........

''भगवान श्री कृष्ण ने मानवों को अपनी प्रत्येक लीला से कुछ न कुछ प्रदान किया। भगवान की सम्पूर्ण लीला से कुछ पंचामृत मैंने खोजे हैं। 1. प्रथम– प्रसन्नता – शास्त्र आज्ञा करते हैं कि विश्व की सबसे बड़ी औषधि ''प्रसन्न एवं औषधि प्रसन्नता ही है। और भगवान श्री कृष्ण आनंदस्वरुप हैं। 2. समत्व – संसार के चार आकट्य सत्य ''सम्योगस्य वियोगान्ता मरणांतस्य जीवितम। ''सम्योग के बाद वियोग और जीवन के बाद मृत्यु'' ऐसी स्थिती में भी जो समान रहते हैं वो हैं श्री कृष्ण। 3. परिस्थिति का स्वीकारी करण – प्रकृति जो परिस्थिति प्रस्तुत करे उससे घबराये बगैर उसे स्वीकार करना 4. अधिकारी को सदवस्तु का प्रदान करना – सतपात्र को दान देना ही श्रेष्ठ है। 5. स्वीकारीकरण– भगवान ने सभी सब को स्वीकार किया। ''शरण गये प्रभु ताहि न त्यागा''
(जय श्री कृष्ण)

स्त्री-सशक्तिकरण

सांस्कृतिक कार्यक्रम

ग्रीष्मकालीन शिविर

● **कार्यक्रमः** ग्रीष्मकालीन शिविर

● **दिनांकः** 22 मई से 29 मई 2019 ● **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद, उ.प्र.।

कलाएँ एवं शिक्षकगण

● सिलाई कला – मधुशुक्ला ● सौन्दर्यीकरण एंव मेहंदी कला– पूजा गौड़ ● बैंकिंग की सामान्य जानकारी– आर.सी. गुप्ता ● सूचना के अधिकार की जानकारी– मंज़र–उल वासै ● महिला शारीरिक विकास एवं आन्तरिक सौन्दर्यीकरण– ज्योति श्रीवास्तव ● महिलाओं के अधिकार एवं आरटीआई की जानकारी– आरती यादव ● पाक कला एवं बजाज उत्पाद की जानकारी – नीरज पाठक

ग्रामीण अंचल की 50 छात्राओं को ग्रीष्मकालीन शिविर लगाकर 'शब्दम्' ने बनाया स्वावलम्बी

ग्रीष्मकालीन शिविर में सिलाई कला, सौन्दर्यीकरण, पाककला, मेंहदी कला का प्रशिक्षण छात्राओं को प्रतिदिन दिया गया। इसके साथ–साथ छात्राओं को बैंक ऑफ इण्डिया के सेवानिवृत्त प्रबंधक द्वारा बताया गया कि किस प्रकार महिलाएं अकेले बैंक जाकर, सामान्य बैंक के कार्यों को स्वयं कर सकती हैं। इसके लिए उन्हें पति या भाई की आवश्यकता नहीं है। अधिवक्ता आरती यादव ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों से अवगत कराया। सूचना के

मेंहदी कला में निपुण होने की ललक।

समूह छायांकन।

अधिकारों से महिलाएँ कैसे लाभ उठा सकती हैं, यह जानकारी मंज़र–उल वासै ने दी। विपत्ति के समय में आपना धैर्य और आत्मविश्वास कैसे बनाये रखें और स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित आहार किस प्रकार लें, यह जानकारी ज्योति श्रीवास्तव ने दी। रंगारंग कार्यक्रम के साथ ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन हुआ।

सिलाई कला

बैंकिंग के सामान्य नियम बताते पूर्व प्रबन्धक आर.सी.गुप्ता।

माइक्रोवेव पर पीज़ा बनाना सिखाते हुए विशेषज्ञ।

छात्रों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम।

शिविर में महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने पर दिया जोर

समर कैंप में छात्राएं सीख रहीं जीवन जीने की कला

साड़ी पहनने की कला का प्रदर्शन करतीं छात्राएं।

सौन्दर्यीकरण कला

ग्रीष्मकालीन शिविर में सिलाई कला से सीखे वस्त्रों का प्रदर्शन करतीं छात्राएं।

महिला दिवस

- **कार्यक्रमः** महिला दिवस के उपलक्ष्य में चर्चा 'विषम परिस्थितियों में सफलता के सूत्र'
- **दिनांकः** 14 मार्च 2019 ● **मुख्य अतिथिः** श्रीमती नंदिनी यादव, प्रधानाचार्य आईवी इंटरनेशनल एकेडमी
- **विशिष्ट अतिथिः** श्रीमती आरती यादव (अधिवक्ता, महिला अधिकार विशेषज्ञ) श्रीमती शशिप्रभा यादव (समाज सेविका), श्रीमती पूजा गौड़ (सौन्दर्यीकरण विशेषज्ञ) कु. बबिता (मार्शियल आर्ट)
- **अध्यक्षताः** डॉ. रजनी यादव, निदेशक ज्ञानदीप सीनियर सेकेण्डरी स्कूल शिकोहाबाद
- **स्थानः** संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद, उ.प्र.

शब्दम् द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में संचालित सिलाई केन्द्र की 160 छात्राओं के मध्य 'विषम परिस्थितियों में सफलता के सूत्र' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

समूह छायांकन।

राखी मिलन समारोह

के.सी. क्लब, हिन्दलैम्प्स एवं शब्दम् के संयुक्त तत्वावधान में राखी मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

राखी मिलन समारोह का एक दृश्य।

राखी मिलन समारोह

दिनांक– 02 अगस्त 2020

रक्षाबंधन पर जागरूकता कार्ड के माध्यम से विद्यार्थियों में एवं आमजनों मे यह जागृति पैदा की गई ।

इस अवसर पर सर्वप्रथम पर्यावरण मित्र स्वयंसेवकों को मानसिक स्तर पर तैयार किया गया कि वे रक्षाबंधन के असली उद्देश्य 'बहन की सुरक्षा' के अंतर्गत मनाएं ना कि सफर कर, बहिन को कोविड–19 संक्रमण के खतरे में ड़ाल दें। जब स्वयंसेवक स्वयं लगातार 7–8 दिन के फोलोअप के बाद मानसिक तौर पर तैयार हो गए तब उन्होंने अपने गाँव में जाकर ग्रामजनों के मध्य यह चेतना कार्यक्रम चलाया।

स्वयंसेवकों ने निम्न नारे भी लगाए..

मुँह पर मास्क सफर से दूरी,
इस रक्षाबंधन बहुत जरूरी।
रक्षाबंधन मनाएंगे,
बहन को संक्रमण से बचाएंगे,।
गाँव का कोई और व्यक्ति भी जा रहा होगा,
उसको भी पर्यावरण मित्र के उद्देश्य समझाएंगे।।

इस अवसर पर सभी ने अपने बच्चों और परिवारों के साथ पेड़ों पर रक्षासूत्र बाँधा व प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया। बच्चों ने अपने अभिवावकों के साथ पेड़ों पर रक्षा सूत्र बाँधते हुए अपने अंदर प्राकृतिक संस्कार रोपित किए ।

जानकीदेवी सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

'शब्दम्' सिलाई कला के माध्यम से छात्राओं को बना रही है स्वावलम्बी।

दूरदराज के क्षेत्र से कई छात्राएं बाहर नहीं निकल पातीं, अतः उन गाँव में सिलाई केन्द्र खोलकर शब्दम् ने सिलाई कला के माध्यम से रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य किया। अभी तक 20 हजार से अधिक छात्राओं को प्रशिक्षण देने का कार्य किया जा चुका है। उनमें से कई छात्राएं अब 15 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह अर्जित कर, अपने घर का पालन पोषण कर रही हैं।

शब्दम् द्वारा संचालित विभिन्न सिलाई केन्द्रों की झलकियां।

21वाँ आईएमसी लेडीज़ विंग जानकीदेवी बजाज पुरस्कार-2019 रूमा देवी को

7 जनवरी 2020 को मुंबई के आईएमसी सभागार में 2019 का जनकीदेवी बजाज पुरस्कार बाडमेर राजस्थान की ग्रामीण विकास एवं चेतना संस्थान की अध्यक्ष रूमादेवी को प्रदान किया गया। विख्यात गीतकार, कवि, लेखक विज्ञापन जगत की जानीमानी हस्ती तथा भारतीय फिल्म संसरबोर्ड के अध्यक्ष श्री प्रसून जोशी के हाथों यह पुरस्कार दिया गया।

सन् 1993 में आईएमसी लेडीज विंग द्वारा तत्कालीन अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज की प्रेरणा व पहल से स्थापित यह पुरस्कार प्रतिवर्ष ग्रामीण उद्यमशीलता के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान के लिये एक महिला को दिया जाता है।

इस वर्ष की पुरस्कृत रूमादेवी ने अत्यंत विषम पारिवारिक, सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद केवल अपनी निष्ठा तथा साहस से 75 गांवों की 22000 कारीगर महिलाओं के लिये न केवल आय के साधन उपलब्ध किये बल्कि देश–विदेश में उन्हें एक पहचान भी दी। अंतरराष्ट्रीय फैशन डिज़ाइनरों को उन्होंने ग्रामीण महिला कारीगरों के घर पर ला खड़ा किया और इस तरह उन दोनों के बीच सीधा संपर्क जोड़ दिया।

अपने भाषण में रूमादेवी ने अपनी इस यात्रा का सजीव वर्णन किया और आह्वान करते हुए कहा, ''महिला, महिलाओं का सम्मान करें, उसे समर्थन और सहारा दें, खुद के लिए खुद लड़ें अपने हुनर के जरिये आगे बढ़ें, स्वावलंबी बने, खुद्द पर विश्वास है तो अड़े रहें और खड़े रहें।

पुरस्कार प्रदान समारोह.. बांये से नयनतारा जैन, प्रसून जोशी, रूमादेवी, वनिता भण्ड़ारी, मुकुल उपाध्याय।

मुख्य अतिथि प्रसून जोशी ने अपने अत्यंत प्रेरक अभिभाषण में कहा कि जानकीदेवी जैसी व्यक्तित्व के लिए महिमा मंडन करने की आवश्यकता नहीं होती, स्वतः ही उनके प्रति श्रद्धा का भाव जागृत हो जाता है। उनका जीवन–संघर्ष स्वयं प्रेरणा बन जाता है। हम हमेशा जानना चाहते हैं कि जिस सत्य की वे वकालत करते हैं, उसे वे अपने जीवन में कैसे उतारते हैं। किंतु ऐसा लगता है कि नारी–संघर्षों के मामले में अभी समाज बदला नहीं है, हमें एक ऐसा समाज चाहिए जहाँ केवल 'अपवाद' का उत्सव न मनाया जाय, क्योंकि इन्हें चुन–चुनकर, खोज–खोज कर लाना पड़ता है।

भेदभाव के संदर्भ में प्रसून जोशी ने कहा कि दुःख तो इस बात का है कि महिला–महिला के बीच हम भेद करते हैं, कामकाजी महिला और एक गृहिणी के बीच। कारण है हर चीज का मुद्रीकरण, कमाई के चश्मे से हम देखते हैं। अब जिसने हमें पाला है, पोसा है उसे कीमत में कैसे आँका जा सकता है!

अंत में प्रसून जोशी ने अपनी कुछ कविताएँ व एक गीत भी सस्वर सुनाया जिन्हें श्रोताओं ने बहुत सराहा।

लेड़ीज विंग की अध्यक्ष वनिता भंडारी ने स्वागत भाषण दिया और पुरस्कार समिति की अध्यक्ष नयनतारा जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। चयन समिति के अध्यक्ष मुकुल उपाध्याय ने जानकीदेवी के अपने संस्मरण साझा किये। कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रियदर्शिनी कानोड़िया ने किया।

शर्म आ रही है न ?

–प्रसून जोशी

शर्म आ रही है ना उस समाज को
जिसने उसके जन्म पर खुल के जश्न नहीं मनाया
शर्म आ रही है ना उस पिता को
उसके होने पर जिसने एक दिया कम जलाया
शर्म आ रही है ना उन रस्मों को उन रिवाजों को
उन बेड़ियों को उन दरवाजों को
शर्म आ रही है ना उन बुजुर्गों को
जिन्होंने उसके अस्तित्व को सिर्फ अंधेरों से जोड़ा
शर्म आ रही है ना उन दुपट्टों को उन लिबासों को
जिन्होंने उसे अंदर से तोड़ा
शर्म आ रही है ना स्कूलों को दफ्तरों को रास्तों को मंजिलों को
शर्म आ रही है ना उन शब्दों को उन गीतों को
जिन्होंने उसे कभी शरीर से ज्यादा नहीं समझा
शर्म आ रही ना राजनीति को धर्म को
जहाँ बार बार अपमानित हुए उसके स्वप्न
शर्म आ रही है ना खबरों को मिसालों को दीवारों को भालों को
शर्म आनी चाहिए हर ऐसे विचार को
जिसने पंख काटे थे उसके
शर्म आनी चाहिए ऐसे हर खयाल को
जिसने उसे रोका था आसमान की तरफ देखने से
शर्म आनी चाहिए शायद हम सबको क्योंकि
जब मुट्ठी में सूरज लिए नन्ही सी बिटिया सामने खड़ी थी
तब हम उसकी उँगलियों से छलकती रोशनी
नहीं उसका लड़की होना देख रहे थे
उसकी मुट्ठी में था आने वाला कल
और सब देख रहे थे मटमैला आज
पर सूरज को तो धूप खिलाना था
बेटी को तो सवेरा लाना था
और सुबह हो कर रही

• • •

मिशन साहसी

- **कार्यक्रमः** मिशन साहसी
- **दिनांकः** 06 फरवरी 2020
- **स्थानः** यंग स्कालर्स एकेडमी, शिकोहाबाद, उ.प्र.।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शिकोहाबाद नगर के कई विद्यालयों में छात्राओं को मार्शल आर्ट की निःशुल्क ट्रेनिंग दी गयी। कई छात्राएँ ग्रामीण अंचल की भी थीं, मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग जिनके लिए स्वप्न समान थी। विद्यार्थी परिषद ने छात्राओं बताया कि यह ट्रेनिंग उन्हें लड़ने के लिए नहीं बल्कि आत्मरक्षा के लिए दी जा रही है।

सभी छात्राओं ने पिछले एक माह में सीखी हुई कला का आज प्रदर्शन किया।

छात्राओं ने 'फूल नहीं चिंगारी हैं, हम भारत की नारी हैं।', 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाये।

कार्यक्रम को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा आयोजित किया गया। शब्दम् संस्था द्वारा इस कार्यक्रम को प्रायोजित किया गया।

प्रतिभा का प्रदर्शन करतीं छात्राएँ।

सभागार में उपस्थित छात्राएँ।

सभागार का एक दृश्य।

श्री जमनालाल बजाज जयंती समारोह

- **कार्यक्रम** : श्री जमनालाल बजाज जयंती समारोह
- **दिनांक** : 4 नवम्बर 2019

स्थान : जमनालाल अरण्डय एवं संस्कृति भवन, हिन्द लैम्प्स परिसर शिकोहाबाद।

श्री लक्ष्मीजी से प्रार्थना है कि हमें सद्बुद्धि दें तथा सत्य के साथ व्यापार कर लाभ कमाएं। यह सत्य की कमाई देश तथा दु:खी जनता के काम में लगाने की भी बुद्धि दें– जमनालाल बजाज

जमनालाल बजाज की 130वीं जयंती के अवसर पर प्रख्यात संत असंगानन्दजी महाराज ने दिया गीता पर उपदेश।

स्वतंत्रता सेनानी एवं गांधीजी के 'पाँचवे पुत्र' के नाम से विख्यात जमनालाल बजाज की जयंती कार्यक्रम का आयोजन हिन्द लैम्प्स परिसर में किया गया।

पौधारोपण करते सम्मानित अतिथि।

गीता पर प्रवचन करते श्री असंगानंद जी महाराज।

जमनालाल बजाज की 131वीं जयंती के अवसर पर बजाज इलेक्ट्रिकल्स, शब्दम् एवं पर्यावरण मित्र के सभी सदस्यों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर, दीप प्रज्ज्वलन किया। इस अवसर पर उनके नाम से निर्मित जमनालाल अरण्य में पौधारोपण किया गया एवं उनके जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला गया।

कोविड-१९ - भारत विजय संकल्प

शब्दम्–पर्यावरण मित्र ने वैश्विक महामारी कोविड–19 पर भारत विजय के संकल्प को पूर्ण करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए।

सर्वप्रथम 6 मार्च को इस महामारी के संदर्भ में जब शिकोहाबाद जैसे दुरूह इलाकों में इस संक्रमण के बारे पता भी नहीं था तब एक चेतना शिविर लगाकर सभी को जागरूक किया गया।

इसके पश्चात् लगातार कोराना बीमारी से सम्बन्धित जागरूकता कार्ड, आमजन और विद्यार्थियों में सोशल साइट्स के माध्यम से भेजे गए। कई ऑनलाइन जागरूकता हेतु प्रतियोगिता आयोजित की गईं।

इस अवसर पर शब्दम् सिलाई केन्द्र की शिक्षिका सीमा शाक्या ने टू लेयर मास्क बनाए। जो लोग निर्धन थे या धन के अभाव में मास्क का प्रयोग नहीं कर पा रहे थे उन जरूरत मंद लोगों को संस्था द्वारा मास्क दिए गए।

योग है सबके लिए...

शब्दम् एवं पर्यावरण मित्र के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृति एवं प्रकृति के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस पर प्रकृति के मध्य 'योग संस्कृति' को आयोजित किया गया। इस योग संस्कृति से जुड़कर बजाज आवासीय कॉलोनी के सभी सदस्य एवं पर्यावरण मित्र के सभी स्वयंसेवकों ने अलग–अलग ग्रुप में योग साधना की।

सम्मान

कवि डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया को मिला हंसवाहिनी का 'महाकवि निराला सम्मान'।

'शब्दम्' के वरिष्ठ सलाहकार एवं चर्चित कवि डॉ. ध्रुवेन्द्र भदौरिया को प्रयागराज की साहित्यिक संस्था 'हंसवाहिनी' का प्रतिष्ठित महाकवि 'निराला' सम्मान विगत 22 दिसंबर 2019 को हंसवाहिनी के अखिल भारतीय रजत जयन्ती महोत्सव में प्रदान किया गया। यह सम्मान फूलपुर सांसद श्रीमती केसरी देवी पटेल, डीएचएल इंफ्राबुल्स समूह के चैयरमेन श्री संतोष सिंह और संस्था के सचिव श्री शैलेन्द्र मधुर ने संयुक्त रूप में 21000 रूपए, प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्रम और श्रीफल के साथ प्रदान किया।

राही रैंकिंग की सौ बड़े हिंदी के रचनाकारों में अरविंद तिवारी

हिंदी दिवस 2019 के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध ''राही रैंकिंग'' की सौ बड़े वर्तमान हिंदी लेखकों की सूची में शब्दम् सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य अरविंद तिवारी का स्थान 69 वें नंबर पर निर्धारित किया गया है। 2018 में वह 92 वें स्थान पर थे। यह रैंकिंग पाठकों, प्रकाशकों, हिंदी के विद्वानों, संपादकों के सर्वेक्षण पर आधारित है। सूची हिंदी दिवस के अवसर पर जारी की जाती है।

डॉ. महेश आलोक को मिला 'पाखी' का प्रतिष्ठित जे.सी. जोशी 'शब्द साधक कविता सम्मान-2017'

हिन्दी की बहुचर्चित पत्रिका 'पाखी' ने लंबित शब्द साधक सम्मानों की घोषणा कर दी। इस वर्ष तीन वर्षों के साहित्य सम्मानों की घोषणा एक साथ की गयी। साहित्य का यह अत्यन्त प्रतिष्ठित 'शब्द साधक कविता सम्मान 2017' महेश आलोक को प्रदान किया गया है। महेश आलोक को यह सम्मान कविता में उनके समग्र योगदान पर दिया गया है। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान भी उन्हें पहले 'विश्वविद्यालयी सम्मान' से सम्मानित कर चुका है। यह शब्दम् के लिए गौरव की बात है। ज्यूरी के अनुसार – 1990 के बाद कविता के स्वर में बदलाव लाने वाले कवियों में महेश आलोक अग्रणी हैं।

डॉ. चन्द्रवीर जैन श्रीमन्नारायण शास्त्री अलंकरण से सम्मानित

नगर के गौरव, नारायण कालेज के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. चन्द्रवीर जैन को पूर्व न्यायमूर्ति श्री प्रेमशंकर गुप्तजी द्वारा संस्थापित संस्था 'इटावा हिन्दी सेवा निधि द्वारा सन् 2020 का श्रीमन्नारायण शास्त्री अलंकरण से प्रयाग राज में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया है। अस्वस्थता के कारण निवास स्थान पर सम्मान प्रदान किया।

भारतीय संस्कृति को बढावा देने के लिए मुम्बई के लोगों के मध्य मैराथन में भाग लेती 'शब्दम् संस्था'।

जय भारत

जिस देश के हो तुम सही नागरिक
उस देश के लिए प्रेम चाहिए
जिस देश में हुआ जन्म तुम्हारा
उस देश की प्रगति के अरमान चाहिए।।

जिस जमीन का है, खाया और पिया,
उस जमीन के लिए वफादारी चाहिए
जिस हवा में साँसे लीं, अनगिनत
उस हवा के लिए बहुत प्यार चाहिए।।

याद रहे, नहीं छोड़ती माटी कोई बेवफाई
माँगती है, ज़र्रे-ज़र्रे का हिसाब पाई-पाई
सदियों से घर है हमारा, संस्कृति हमारी है
बड़े तप, त्याग से ऋषि-महापुरुषों ने यह सँवारी है।।

वक्त है, बच्चों अब भी सँभल जाओ
तुम रखो अपने वतन का पूरा ध्यान
चलो सत्य-न्याय और अहिंसा पथ पर
करो हमारे तिरंगे और भारत माता का सम्मान ।।

– किरण बजाज
23/01/2020
गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में